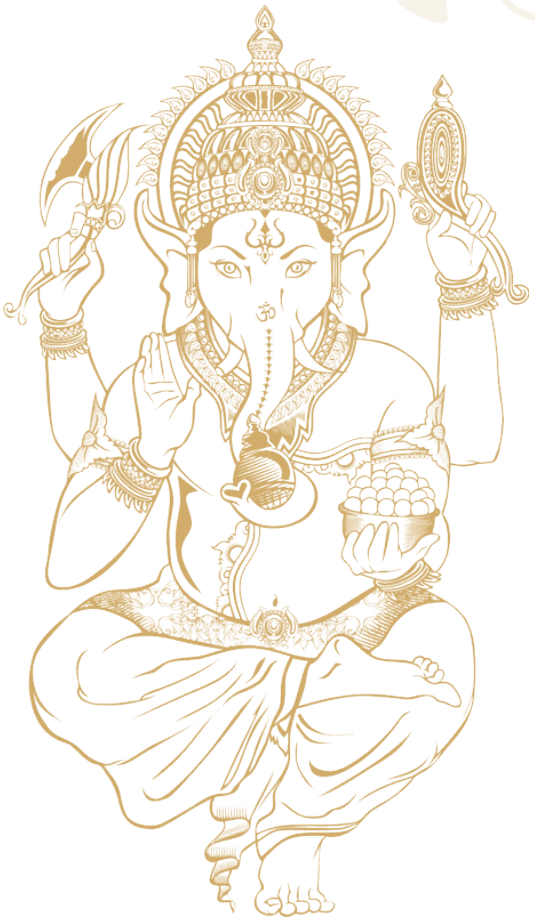

Kashish

04 Jun 2004

07:59 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121052606

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/06/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:59:00 घंटे**
इष्ट	36:36:14 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:39:48 घंटे
वेलान्तर	00:01:40 घंटे
साम्पातिक काल	12:33:16 घंटे
सूर्योदय	05:20:30 घंटे
सूर्यास्त	19:14:48 घंटे
दिनमान	13:54:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:22:36 वृष
लग्न के अंश	01:00:47 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	01:00:47	324:10:18	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	20:22:36	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	10:41:45	15:10:57	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	23:56:32	00:37:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृष	04:20:28	01:51:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	16:21:37	00:05:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	वृष	26:18:12	00:36:05	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि			मिथु	18:36:12	00:07:11	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	16:57:50	00:04:18	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	16:57:50	00:04:18	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:51:55	00:00:18	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:23:27	00:00:34	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:10:19	00:01:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कन्या	15:08:13	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:57

लग्न-चलित

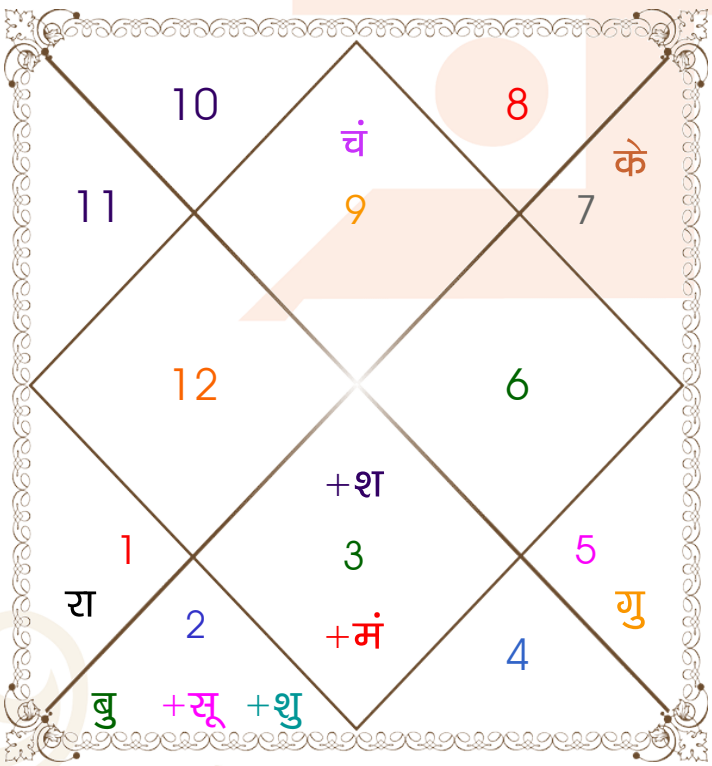

चन्द्र कुंडली

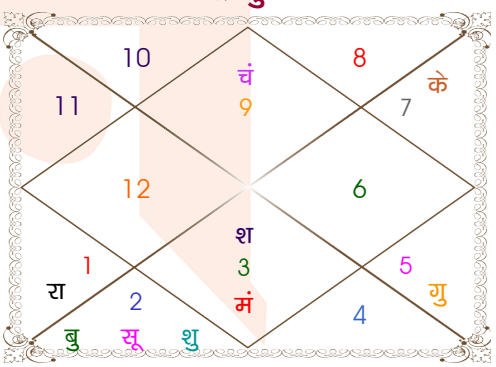

नवमांश कुंडली

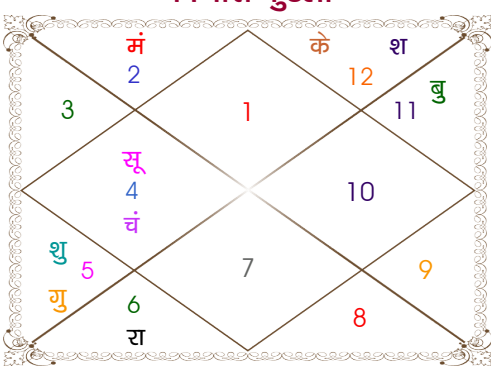

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/06/2004		23/10/2005		23/10/2025		24/10/2031		23/10/2041	
23/10/2005		23/10/2025		24/10/2031		23/10/2041		23/10/2048	
	00/00/0000	शुक्र	22/02/2009	सूर्य	10/02/2026	चंद्र	23/08/2032	मंगल	21/03/2042
	00/00/0000	सूर्य	22/02/2010	चंद्र	11/08/2026	मंगल	24/03/2033	राहु	09/04/2043
	00/00/0000	चंद्र	24/10/2011	मंगल	17/12/2026	राहु	23/09/2034	गुरु	15/03/2044
	00/00/0000	मंगल	23/12/2012	राहु	11/11/2027	गुरु	23/01/2036	शनि	23/04/2045
	00/00/0000	राहु	23/12/2015	गुरु	29/08/2028	शनि	23/08/2037	बुध	21/04/2046
	00/00/0000	गुरु	23/08/2018	शनि	11/08/2029	बुध	23/01/2039	केतु	17/09/2046
	04/06/2004	शनि	23/10/2021	बुध	17/06/2030	केतु	24/08/2039	शुक्र	17/11/2047
शनि	26/10/2004	बुध	23/08/2024	केतु	23/10/2030	शुक्र	23/04/2041	सूर्य	24/03/2048
बुध	23/10/2005	केतु	23/10/2025	शुक्र	24/10/2031	सूर्य	23/10/2041	चंद्र	23/10/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/10/2048		23/10/2066		23/10/2082		24/10/2101		24/10/2118	
23/10/2066		23/10/2082		24/10/2101		24/10/2118		00/00/0000	
राहु	06/07/2051	गुरु	11/12/2068	शनि	26/10/2085	बुध	22/03/2104	केतु	22/03/2119
गुरु	29/11/2053	शनि	24/06/2071	बुध	05/07/2088	केतु	19/03/2105	शुक्र	22/05/2120
शनि	05/10/2056	बुध	29/09/2073	केतु	14/08/2089	शुक्र	18/01/2108	सूर्य	26/09/2120
बुध	24/04/2059	केतु	05/09/2074	शुक्र	14/10/2092	सूर्य	23/11/2108	चंद्र	28/04/2121
केतु	11/05/2060	शुक्र	06/05/2077	सूर्य	26/09/2093	चंद्र	25/04/2110	मंगल	24/09/2121
शुक्र	12/05/2063	सूर्य	22/02/2078	चंद्र	27/04/2095	मंगल	22/04/2111	राहु	12/10/2122
सूर्य	05/04/2064	चंद्र	24/06/2079	मंगल	05/06/2096	राहु	08/11/2113	गुरु	18/09/2123
चंद्र	05/10/2065	मंगल	30/05/2080	राहु	12/04/2099	गुरु	14/02/2116	शनि	05/06/2124
मंगल	23/10/2066	राहु	23/10/2082	गुरु	24/10/2101	शनि	24/10/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।